

दिलदार सांवरे | By Deepti Agarwal

खाटू नरेश श्री श्याम धणी के दर पे जो शीश झुकायेगा
शीश के दानी वरदानी से मन चाहा फल पायेगा

सेठों के सेठ कहाते हैं सरकार सांवरे
सब पे दया लुटाते हैं दिलदार सांवरे
मेरे यार सांवरे दिलदार सांवरे
हारे का साथ निभाते हैं सरकार सांवरे
दुखियों के कष्ट मिटाते हैं दिलदार सांवरे
मेरे यार सांवरे दिलदार सांवरे

कोई सवाली गया ना खाली दर से लखदातार के
जो मांगो वो मिल जाता है झोली यहाँ पसार के
सबकी आस पुराते हैं सरकार सांवरे
मायूस नहीं लौटाते हैं दिलदार सांवरे
मेरे यार सांवरे दिलदार सांवरे

जिनका सहारा कोई नहीं ये उनका सहारा बनते हैं
बहकतों की राहों के कांटे पलकों से ये चुनते हैं
सोये भाग्य जगाते हैं सरकार सांवरे
हारे को जीत दिलाते हैं दिलदार सांवरे
मेरे यार सांवरे दिलदार सांवरे

बाबा के चरणों में जो भी श्रद्धा पुष्प चढ़ाते हैं
खीर चूरमा पेड़ा बर्फी का जो भोग लगाते हैं
उनको दरस दिखाते हैं सरकार सांवरे
ग्यारस पे खाटू बुलाते हैं सरकार सांवरे
मेरे यार सांवरे दिलदार सांवरे

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%b2%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-deepti-agarwal/>